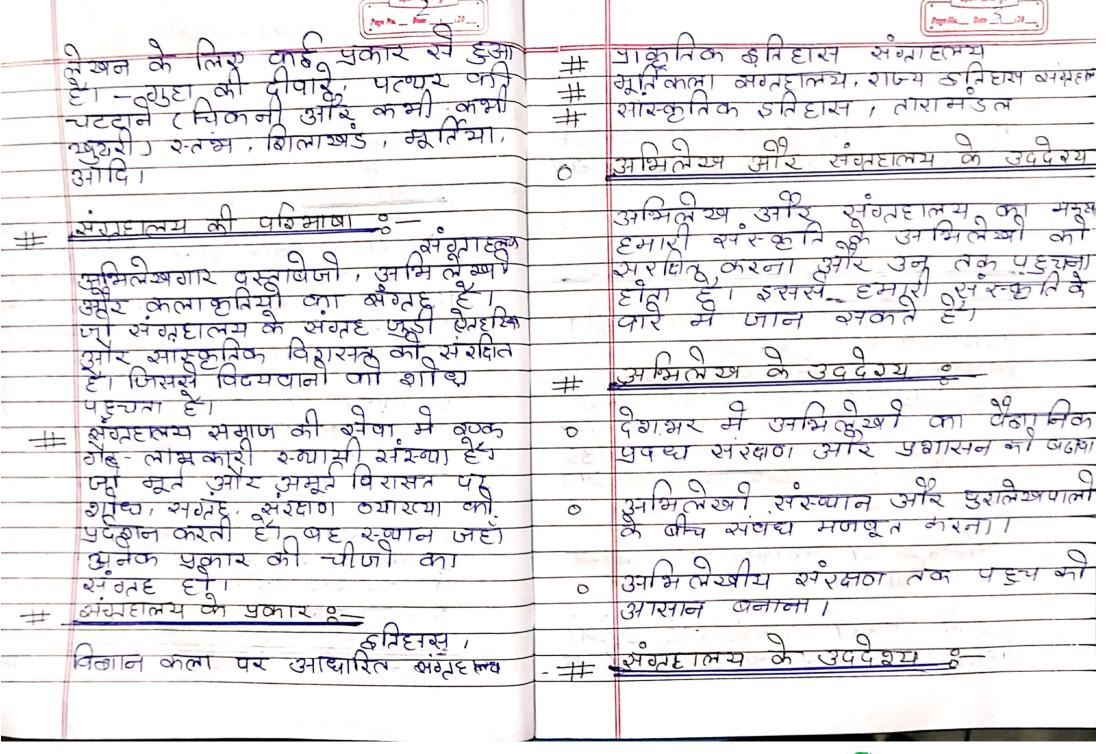
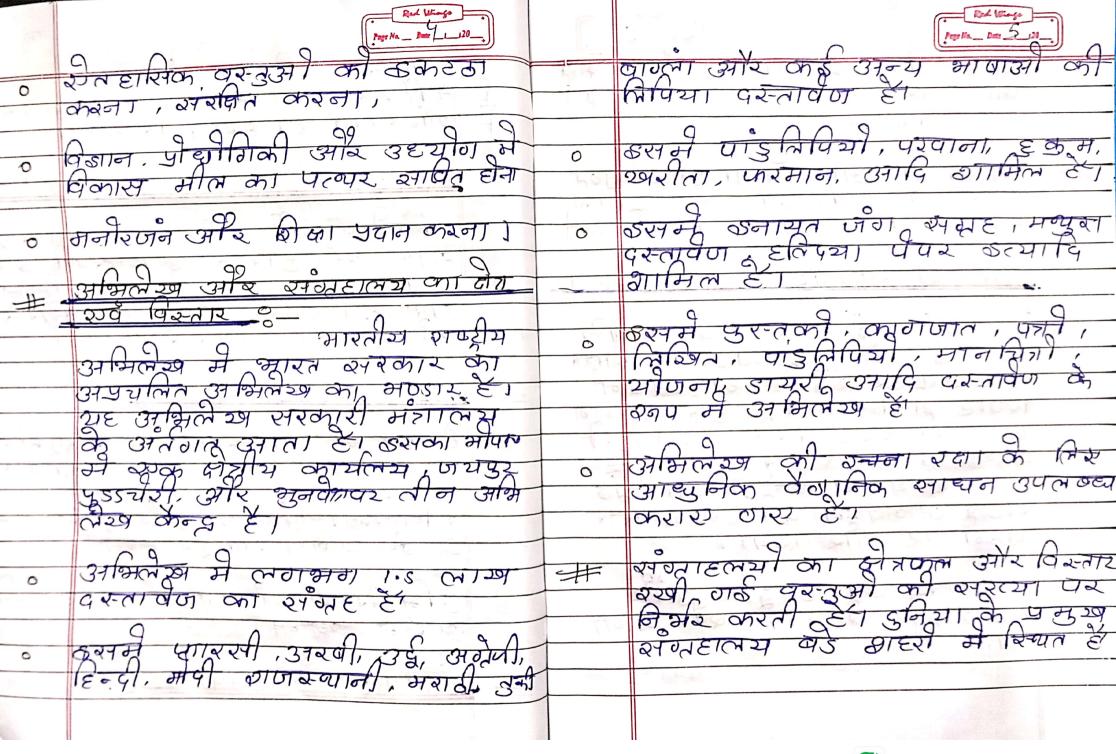
## MAA OMWATI DEGREE COLLEGE, HASSANPUR

B.A 2<sup>ND</sup> Semester

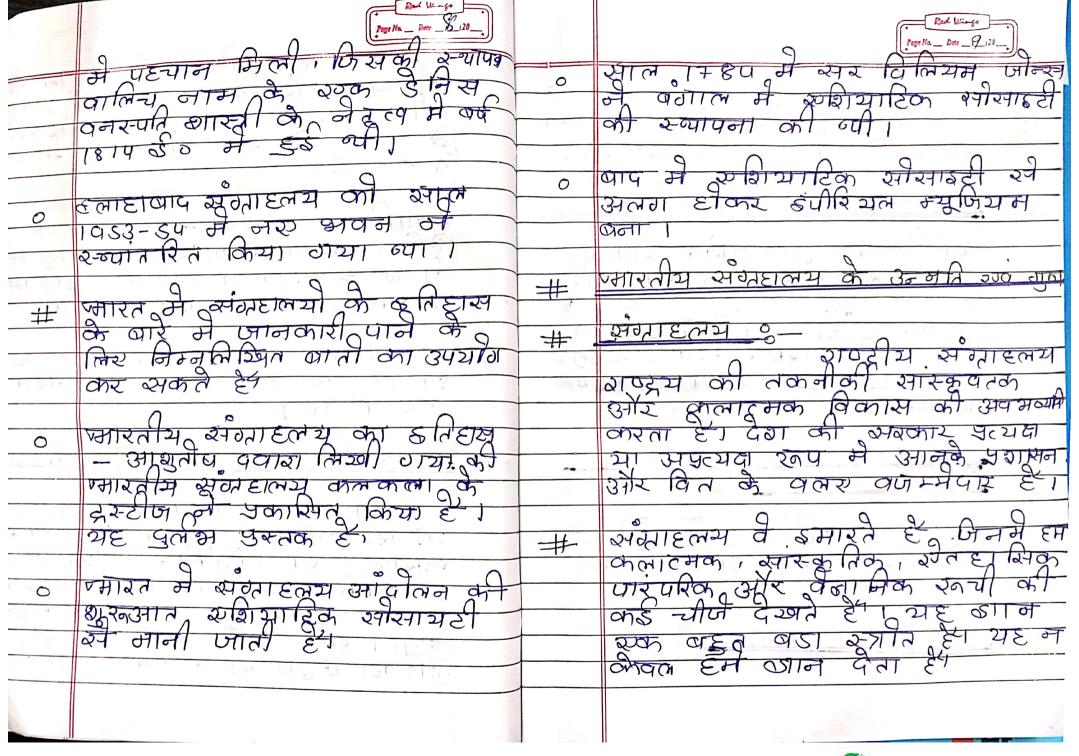
(HISTORY- Archives and Museum)

B.A-Ind Sen Archives & Muserm प्रधन-। स्मात्मन स्मात्मन

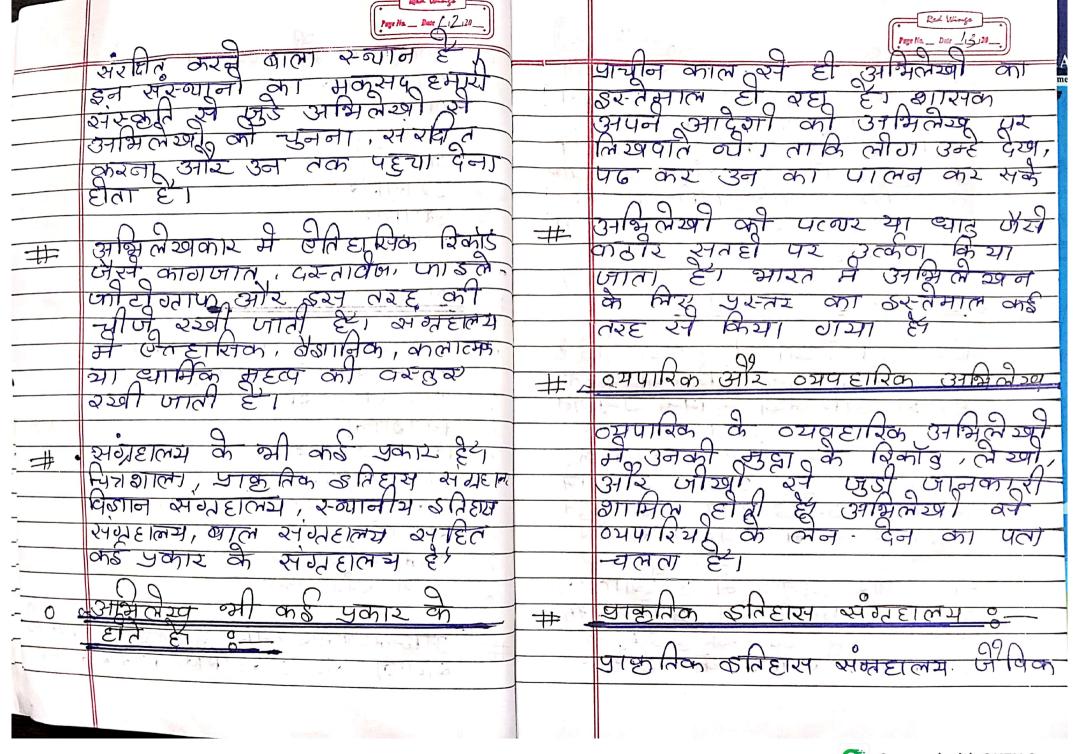




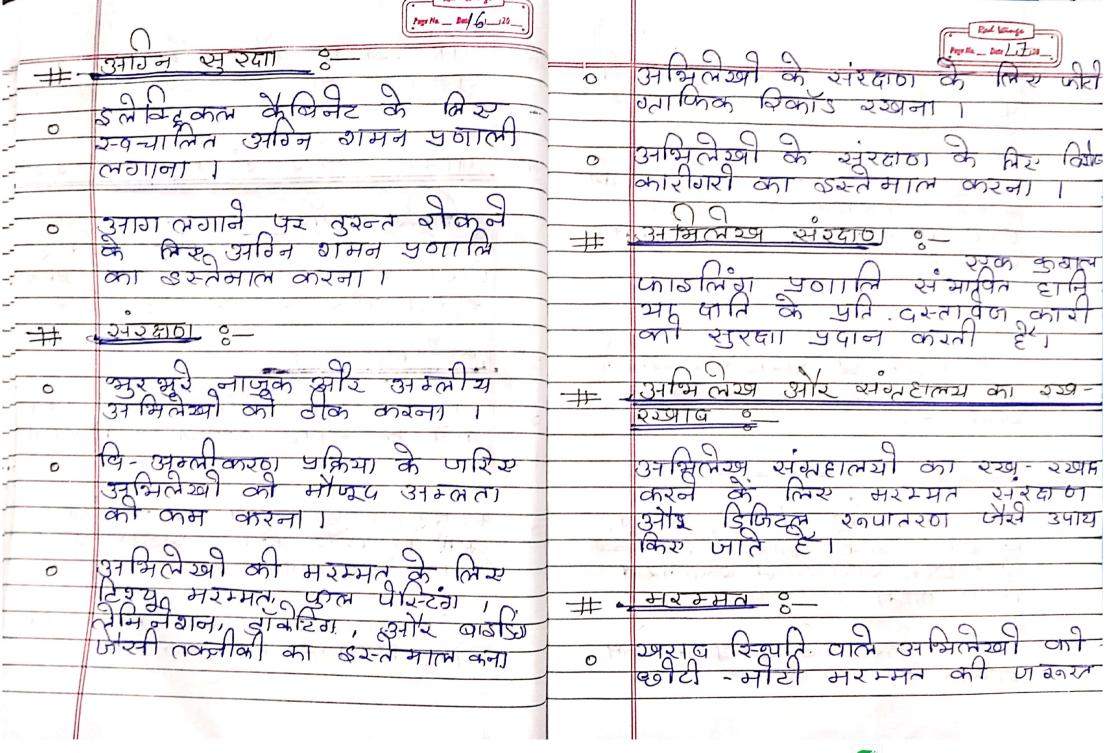
श्रीयारिक , म्यू जियम रेपर-ग्रान 90 न भारत वर्ग ani ON (H) 99 Y 9 81 काप हिस्त वर्गे 3112 M 290112 ATT STAFTE # २-०पापना प्या उपवर्ष oni भवन म 2-व्यानतार त न्दूष्ट 27075 MY <u> अग्जवाहू</u>न 2-0410-12-12 onl 5712 जा दुगर २१ प क्याण्यम काल काल

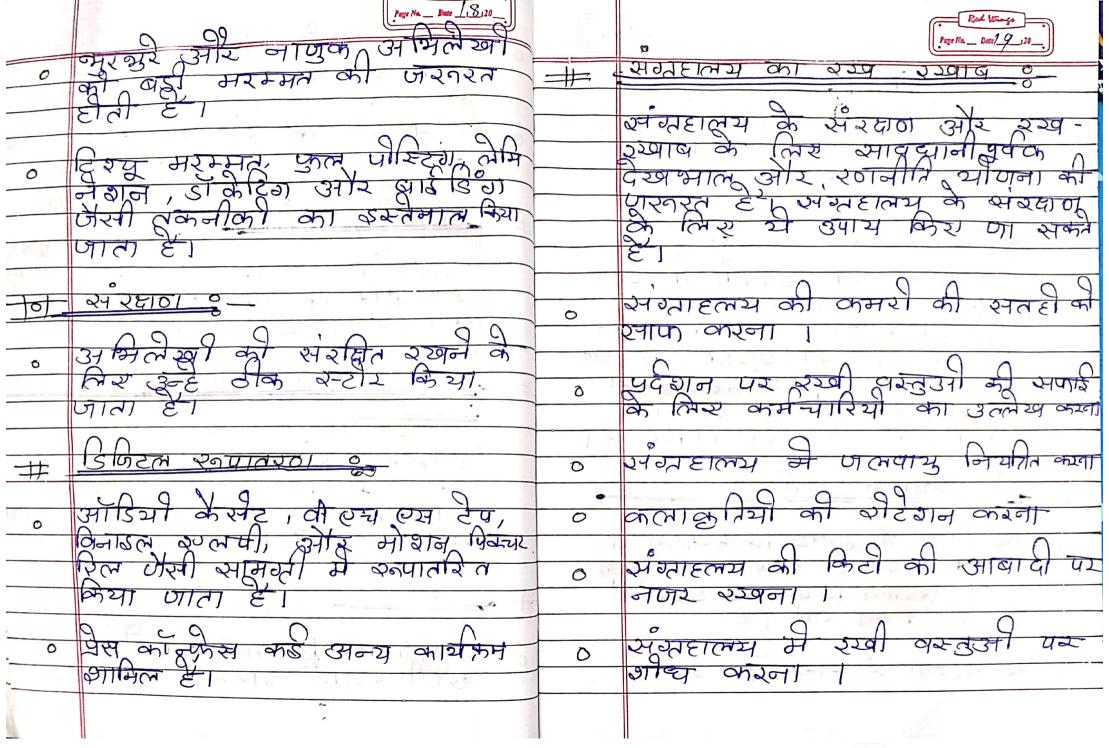


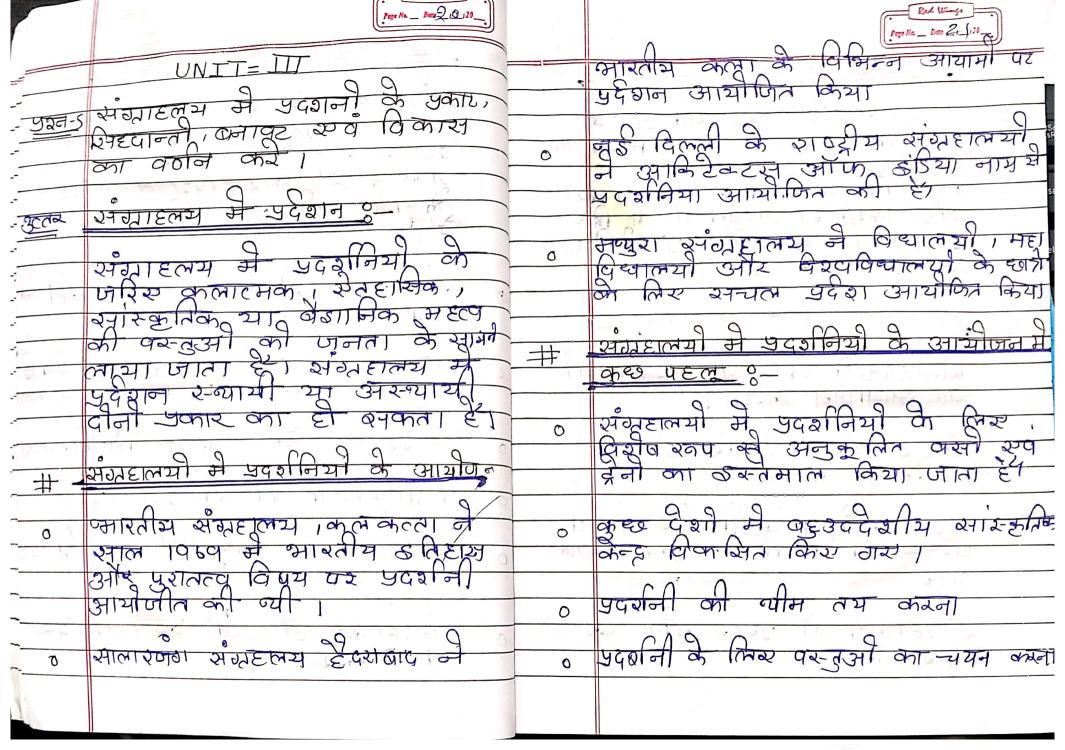
10	Page Na _ Bate _IO_120_		Red Wings
=	UNIT=II	6	०याणरिक अगेर ज्यापहारिक
- पश्न-3	अभित्याकार और संक्रहालय किन्ने	0	उन क्षित्यारिक
	प्रकार के हीते है। पठनि करे।	0	अमपण् या चढावा
- उटतेर	अभिलेखकार खीर शंग्रहालम् ९—	٥	पान श्राह्म
			प्रशासनिक प्रशासनिक
-	अभिलेखकार, स्तहासिक अमाज,		२-मारक
	व्यमाज ववारा वनार ग्रेंट संस्थान	- 1	र्गगिहिस्म के त्रे वाड ०
	र्वनाज विपास वंनारी गर्ड संस्थान है। जो हमारी संस्कृति के अभिलेख का न्युनने, संरक्षित करने स्मीद उन्	1	
- 17	तेक प्रद्व अपान करने की क्या कि		याक्षातिक कतिहास व्यवताहलय
ALC: Y	निभाति है।	Q	भार-किर्पाल क्षिटास करग्रहालम
<u>;</u> # •	अभिलेख अदि अंग्रहालम् कि तरी	0	िरिशीला
<del></del>	पकार के होते हैं -	ō o	र-गानीय इतिहास संगाहलय
-	अभित्या कर तरह के हीते हैं।	0	राष्ट्राप्टार्न अनुगरायन
7	क्षीर संग्रहालम भी कह तरह	ه o	वाल सन्तरालय
-	के होते हैं।	0	व्याला अग्रहायम
- #	उनिमान्य के नकार 0-		उनिभित्ने ख्यार अपेर अंग्रहालंग, दीनी ही
		#	अभिलेखकार अदि संग्रहालय , दीन ही विस्तान की



अध्ययनू प्रधन-प अभिलं खागर वाना ११ र र ग्यान है। दिस रूप र दा ठा 200 220 -2 ज्याव का जीवार्यमी पार्रिस्पितिक वठीन कर अन्तरालय प्रीका र्भग्रहालच उत्तर अन मिल ख अर्र QO, Y म oh \ अग्रहरूप की सुस्ता कारता उपाय उपदेशातमक अरोक्सले २ 井 24 2410 (125 में प्राप्त क्षेत्र मि. # ल्गामक प्रयोगन भडाइन लिस् एनार उनीय MOITON अशाक क उपद्वारमक अंश पाया H मारा २ २ अना रमग्रहालम जियामत 0 20 , वसनगर







	Page Na _ Best 4220		Part Warge
	संग्रहालयों में प्रवर्शनी के प्रकार		काराधाला में प्रदेशन के लिय
#_	0 90 0		अग्रहालमा मा प्रदेशका होती है।
0	वटरमाता की धारण जो युनीही	V	वानापट कार्ड तरह की हीती है। जैसे की हिम्पे केरा, पेड बर्टल
0	वर्षाति अर्गामी अपरितियो का		और विभाजन डमना
0	आयान करना । कर्या करा।	y	RE E1 0 0 9 9
0	संग्रहालयों में अपनियों के सिर्	0	काला - फ्राम युक्त डिस्पले केस
	जारन डिजाइन और प्रौद्योगिकी		् १ स्थानन और चौडी, प्रसिंखा
	0 0 0	0	काच के सामने और चौडी, प्रसिद्धा पटरी के साम्य डिस्पले के बिनेट
TOL	अंग्रहालयो से जुड़े सिष्टदीन ३-	V.	0 9 9 9
0	र्यंग्रहाल्यी मे यनम अप्रातियी	0	डिर्पल केरा
	का आयोजन करना।	Ď	
0	क्रम्तमाल कर्म	#	NAMERIA MADIOI SICILIE
	डस्तेमाल करना	٥	करा, रिलय, पडब-टल उनीर विभागन
0.10	र्यग्रहालयी में क्रेजी भी दिला	7	वस्तुमा के अनुकुलन होना चाहिए।
	यर नीणों के लिस उपस्कर पातावरक	18.5 (	0 90 4.1 9
	वनाना	0	यह कीट उनिब क्रिक राजा हाना
0	र्गंगहामुयो मे अस्मार अपेवा का	0	प्रकार कर्म तरह होना नाहिस की
July 8	र्निंग जेना।		प्रदेशनियों पर स्थाया न पर
1		1	

स्वरहालया का विकास परनुस र्गग्रहाल्य में विक्रिन्न प्रकार श्नामधी का पठित करे को इकह्वा क्रुवने करने वो आगे विका । अप श्रीर प्रातिमाए के के न्य पन श्रूष्ट है। स्माहालयी में बिद्रा उट्पर के कहें तरह को अनुभव भिल्मेह उनिया पर्तेष यगमग्री उस प्रकाट ETOLEIMAI ONI CONINT & ने अव श्रमपायी वर्गिय आगिवारी के # करना गुरुन किया व्य है। मूर्तिया 0 अविद्यासी भी अनव को वा नि विद्यारी उनव की वा निक वस्ता भेरी की टीप्र-ट्री, गली-चे, रजारूमा, झंडे, कपडे, परवे, गवरी-के क्सीती और बर्चना का मान निय 40 July 1 3521 ण्मारत में संग्रहालयें के विकास पांड्लिपियां, अरेर उलीम की जात करेता तो का किकाता में रिम्पत् कारतीय शुँभ हालय, स्थीर - प्रशांत दोत्र का संग्रहात्य पा। भू सहस्मा, स्थीया नीनी मिटटी के वतन, कारच, तामनीनी, लाज्य के वर्तन, कार्जि, कलाकारी व पारक्षरी 1814 करनकी २-वापना डि॰ वी ॰ में ड # 82

